सम्पूर्ण बरगदानाथ

एक बरगद की आत्मकथा

दीपक कुमार पाण्डेय

सम्पूर्ण बरगदानाथ

Publishing-in-support-of,

FSP Media Publications

RZ 94, Sector - 6, Dwarka, New Delhi - 110075
Shubham Vihar, Mangla, Bilaspur, Chhattisgarh - 495001

Website: *www.fspmedia.in*

© Copyright, Author

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopying, recording or otherwise, without the prior written consent of its writer.

ISBN: 978-93-6026-481-9

Price: ₹ 249.00

The opinions/ contents expressed in this book are solely of the author and do not represent the opinions/ standings/ thoughts of Publisher.

Printed in India

सम्पूर्ण बरगदानाथ

Life Story of a Banyan

(एक बरगद की आत्मकथा)

By

दीपक कुमार पाण्डेय

रचनाकार का परिचय

दीपक कुमार पाण्डेय मैकेनिकल इंजिनियरिंग से ग्रेजुएट तथा प्रबंधन में पीजी हैं। वर्तमान में वे भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नागपुर मे सहायक अभियंता के रूप में कार्यरत हैं। इन्हें '*साहित्य का रिकार्डमैन* ' भी कहा जाता है क्योंकि इन्होने अपनी पुस्तकों के माध्यम से कई विश्व कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इनके द्वारा लिखी गई पुस्तकें हैं–

1. **भास** (लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में पंजीकृत)
2. **भारत गणराज्य–पद्यावली** (लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में पंजीकृत)
3. **प्रणाम महात्मा** (लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में पंजीकृत)
4. **मेरी सोलह कविताएं**
5. **बरगदानाथ**
6. **तालाब कहे पुकार के**

दीपक कुमार पाण्डेय अधिकतर काल्पनिक कहानियाँ लिखते हैं। *बरगदानाथ* एवं *तालाब कहे पुकार के* जैसी पुस्तकें काल्पनिक कथा होते हुए भी विज्ञान और आध्यात्म से संबंध रखती हैं।

आज की तिथि तक श्री दीपक कुमार पाण्डेय के नाम साहित्य के क्षेत्र में 11 विश्व रिकार्ड्स पंजीकृत हो चुके हैं। जिनके नाम *लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इण्डिया, यूनीक वर्ल्ड रिकार्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकार्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स* आदि हैं।

About the Author

Deepak Kumar Pandey is an Engineering professional working in a public sector company. Deepak Kumar Pandey is promising Indian writer from Jaunpur, Uttar Pradesh, India. He already had to his account eleven World Records like Limca Book of Records, Unique World Records and Asia Book of Records, World Records India etc. in the field of Hindi literature.

Honoured as ***The Recordman of literature*** by Dainik Bhaskar,a largest circulated daily newspaper of India. He is basically fictional story writer. Deepak's Book ***Bhas*** *(2013)*,***Republic of India-Poetry*** *(2014)* and ***Pranam Mahatma*** *(2015)* — has registered in Limca book of records one after another three years in succession . His book ***Talab Kahe Pukar Ke*** is a detailed description of natural and artificial ponds. It covers introduction of Stepwell type stone bound ancient ponds and also its spiritual view points.

सम्पूर्ण बरगदानाथ

(एक बरगद की आत्मकथा तथा बरगदानाथ का पुनर्जन्म)

लेखक – दीपक कुमार पाण्डेय

मुझे वट भी कहते हैं। मेरा वैज्ञानिक नाम फाइकस वेनगैलेंसिस है। मुझे जीवंत करने एवं ग्रीष्म काल में मेरे मूल में जल देने से पुण्य का संचय होता है। मेरी शाखाओं से मूल निकलते ही जमीन में पहुंचकर स्तंभ का रूप ले लेती हैं। जिससे मैं बहुत तीव्र गति से विकास करता हूँ। कुछ लोग मुझे जटाजूट भी कहते हैं। मैं मघा नक्षत्र का भी प्रतीक हूँ। मुझे अपने बारे में इतना बताना काफी है क्योंकि इस चराचर जगत में कोई मानव ऐसा नहीं होगा जो अपने पूरे जीवनकाल में मुझसे कभी ना मिला हो।

..................................***पुस्तक का एक अंश।***

महत्त्वपूर्ण निर्देश

यह पूर्णतः एक काल्पनिक कहानी है। जिसका किसी घटना,धर्म या समुदाय से कोई सम्बन्ध नहीं है। यदि इसकी किसी घटना,धर्म या समुदाय से कोई समानता पाई जाती है तो यह केवल एक संयोग होगा और कुछ नहीं। इस पुस्तक को लिखने का मूल उद्देश्य बरगद के वृक्ष की उपयोगिता एवं उसकी महानता का वर्णन करना है।

समर्पण

पूज्य माताजी एवं पिताजी
को सादर समर्पित

आमुख

सम्पूर्ण बरगदानाथ कोई पुराण अथवा शास्त्र नहीं है। यह केवल वटों के जीवन को दर्शाती एक कहानी है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि ये केवल एक रचनाकार की परिकल्पना है। इसमें जीवन दर्शन भी है। इसको आप धार्मिक, पौराणिक, ऐतिहासिक तथा दार्शनिक लघुग्रंथ मान सकते हैं। इसमें हिन्दू धर्म का पवित्रतम वनस्पति 'वट' की कथा सन्निहित है। चूँकि सम्पूर्ण बरगदानाथ एक काल्पनिक कथा है फिर भी आपको इसकी कहानी में श्रीमद्‌भगवद्‌गीता के कुछ तत्वज्ञान मिलेंगे। इस पुस्तक को लिखने का मूल उद्देश्य कहानी के माध्यम से बरगद वृक्ष की महानता का वर्णन करना है। कहानी लिखने के लिए प्रेरित करने वाले सभी सहयोगियों, मित्रगण और गुरुजनवृन्दों का बहुत–बहुत धन्यवाद। आशा करता हूँ कि यह रचना आप सभी को अवश्य पसंद आएगी।

बहुत–बहुत धन्यवाद,

- दीपक कुमार पाण्डेय

विषय सूची

	अध्याय	पृष्ठ संख्या
	प्रस्तावना	xiii
	खण्ड–1 : एक बरगद की आत्मकथा	1
1.	मैं कौन हूँ	2
2.	लाचार किसान	5
3.	तीन चोर	17
4.	प्राचीन वट कथा	22
5.	अष्टादश सिद्धि	29
6.	अक्षयवट	37
7.	परकायाप्रवेशनम्	44
8.	वटधर्म	49
9.	प्रायश्चित	57
10.	सिद्धस्थ बरगदानाथ	63
11.	वट मूले तपोवासा	66
12.	रागद्वेष	68
13.	धर्मसंकट	75
14.	कबाड़ी वाला	78
15.	उचित न्याय	85
16.	उद्देश्य पूरा हुआ	92
17.	महानिर्वाण	94

	खण्ड–2: **बरगदानाथ का पुनर्जन्म**	96
18.	शापित	97
19.	बरगदानाथ की प्रतिमा	102
20.	बरगदानाथ अक्षयवट मिलन	107
21.	वटलोक	110
22.	रक्ष धर्म	114
23.	वटदल का निर्माण	117
24.	वटकन्ट की कथा	128
25.	वटदेव बरगदानाथ संवाद	137
26.	वटकंट का चक्रव्यूह	143
27.	युद्धबंदी	156
28.	बरगदानाथ की शस्त्र प्राप्ति	160
29.	वटकंट –बरगदानाथ संग्राम	165
30.	धरती लोक पर वापसी	169

प्रस्तावना

सम्पूर्ण बरगदानाथ कहानी बरगद के जीवन पर आधारित एक काल्पनिक कथा है। यह कहानी एक बरगद के इर्द–गिर्द घूमती है जिसका नाम बरगदानाथ है। बरगदानाथ मानवों की बीच रहकर अपनी जिंदगी गुजार रहा है। उसे बरगदों के इतिहास और पूर्वजों के बारे में जानने की बड़ी इच्छा है। बरगदानाथ को अपने दादाजी तथा मानवों की गतिविधियों से काफी कुछ सीखने को मिलता है। समय के साथ उसे बरगदों के धर्मकर्म अर्थात वटधर्म के बारे में पता चलता है। कई वर्षों से मानवों के साथ रहने के कारण बरगदानाथ को उनसे बहुत लगाव है। एक बार मोहमाया से ग्रसित होकर बरगदानाथ वटधर्म के विपरीत कार्य बैठता है। जिसके फलस्वरूप वह शापित हो जाता है। काफी अरसा गुजर जाने के बाद उसे भगवान श्री हनुमान से अद्‌भुत शक्ति मिलती है जिसको प्राप्त करके वह शापमुक्ति का उपाय खोजने लगता है। शापमुक्ति के पथ पर चलते हुए वह वटजगत के समक्ष प्रकट हुए गंभीर संकट को समाप्त कर देता है। और अंत में उसे शापमुक्ति मिल जाती है।

बरगदानाथ को बरगदों के इतिहास और वटधर्म के बारे में ज्ञान तो मिल जाता है। क्या वह उसे अपने जीवन में उतार पाता है ? मानवों के सानिध्य में रहने से उसे किन–किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है ? बरगदों के देवता वटदेव बरगदानाथ उससे सहायता क्यों मांगते हैं...........? अक्षयवट उससे कौन सी गुरुदक्षिणा माँगते हैं..............? इन प्रश्नों के उत्तर आपको *सम्पूर्ण बरगदानाथ* पुस्तक पढ़ने के बाद ही मिलेंगे।

खण्ड - 1
एक बरगद की आत्मकथा

सम्पूर्ण बरगदानाथ

एक बरगद की आत्मकथा

सम्पूर्ण बरगदानाथ कोई पुराण अथवा शास्त्र नहीं है । यह केवल वटों के जीवन को दर्शाती एक कहानी है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि ये केवल एक रचनाकार की कल्पना है। इसमें जीवन दर्शन भी है। इसको आप धार्मिक, पौराणिक, ऐतिहासिक तथा दार्शनिक लघुग्रंथ मान सकते हैं। इसमें हिन्दू धर्म का पवित्रतम वनस्पति 'वट' की कथा सन्निहित है। चूँकि सम्पूर्ण बरगदानाथ एक काल्पनिक कथा है फिर भी आपको इसकी कहानी में श्रीमद्भगवद्गीता के कुछ तत्वज्ञान मिलेंगे । इस पुस्तक को लिखने का मूल उद्देश्य कहानी के माध्यम से बरगद वृक्ष की महानता का वर्णन करना है।

इस पुस्तक में गाँव के एक वट वृक्ष को भगवान मानकर एक काल्पनिक कथानक प्रस्तुत किया गया है जो लोगों में प्रकृति प्रेम और पर्यावरण के प्रति सचेत करता है

– दैनिक भास्कर

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में लिखी गई ऐसी पुस्तक जो बरगद की महत्ता का बखान कर रही है

– दैनिक जागरण

लेखक से संपर्क हेतु :
dkpbhel@gmail.com

FSP
FSP MEDIA PUBLICATIONS

BOOK AVAILABLE
Flipkart
GET IT ON Google Play
amazon
amazonkindle
EBOOK AVAILABLE

ISBN 978-93-6026-481-9
9 789360 264819